



भारत का दावत The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—भाग 3—भाग (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

HR
24/6/91

क्र. 617] नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 5, 1988/अग्रहायन 14, 1910
No. 617] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 5, 1988/AGRAHAYANA 14, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली हैं जिससे कि यह असाधारण को कृपा कर
रक्षा का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)
नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1988

प्रधिकारनाम

सा.का.नि. 1118(प्र).—रेलवे के भवितव्य 309 के परतक
द्वारा प्रदत्त क्षमितयों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल
स्थापन संस्था, विवर-I (पंचम संस्करण, 1985) के नियम 103(5) में
प्रमुखनक के अनुभाव संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-01-1987 से प्रभावी होंगे।

[स. ६(पी एड ए) II/86/प्र.र.एस 15]

प्रमुखनक

पृष्ठ 1, नियम 103(5)—“असाधारण”

इस नियम के कर्तमान विवेय परियुक्त को विभागित द्वारा प्रति-
स्थापित करें:—

“और आगे यह भी कि रनिंग भर्ते के हक्कावार रेल सेवकों के मामले
में छुट्टी वेतन के प्रयोगार्थी औसत वेतन में, समय-तमय पर

प्रशासनिक प्रत्येकों के माध्यम से संकार द्वारा यदा अधिसूचित
रनिंग भर्ते में वेतन तत्व का चोक, एक तिरिक्त संबंध बनाया
होगा।”

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 5th December, 1988

G.S.R. 1118 (E):—In exercise of the powers conferred
by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President
is pleased to amend Rule 103 (5) of Indian Railway Establish-
ment Code, Volume I (Fifth Edition, 1985) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-01-1987.

[No. E. (P&A) II/86/RS/15.]

ANNEXURE 'A'

Page 1, Rule 103(5)—‘Average Pay’.

Substitute the following for the existing second proviso to
this Rule:—

“Provided further that in the case of railway servants
entitled to running allowance, average pay for the purpose of

leave salary shall include a fixed component representing the pay element in the running allowances as notified by the Government through administrative instructions from time to time.

सा.का.नि. 1119(प्र).—संविधान के प्रत्यक्ष नियम 309 के परम्परा द्वारा प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग करते हुए, यात्रा जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, नियम-I (प्रयम पुनर्मूल्यन) के नियम 401 में प्रनुभावक के प्रत्यक्ष संसोधन करते।

ये संशोधन 01-07-1959 से वृप्तावी होते।

[सं. ई (पी एड ए) II/86/प्रार एस 15]

अनुबंध

प्रतिम शुद्धिपत्र सं. 426 स्था. I

नियम 401

बर्तमान उप नियम (4) को निम्नसिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएः—

बैतन से प्रभिन्न भारतीय रेल स्थापन संहिता, नियम-II के नियम 2003(21)(क) [पू. नि. ९(21)(क)] में परिवर्तित बैतन से है। भालन कर्मचारिकरण के मामले में कर्मचारी के बैतन में प्राधिकृत बैतनयान में बैतन के 25 प्रतिशत को भी भालन भते में बैतन तत्व के रूप में सामिल किया जाएगा।

[प्राधिकारः—रेल मंत्रालय का दि. 22-६-1961 का पत्र सं. पी सी-८०/प्रार ए-२/१]

स्पष्टीकरणः—

भारतीय रेल स्थापन संहिता, नियम-I (प्रयम पुनर्मूल्यन-1971 संस्करण) के नियम 401 को राष्ट्रपति के प्रत्योक्षन से जारी 1-7-59 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से घोषित किया गया है। इससे केवल बैतन आयोग द्वारा संस्कृत प्राधिकृत बैतनयानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इस संसोधन का भारतीय प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तरीख से कानूनी प्रवित्र प्रदान करना है, जिस तरीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूत्याक्षों प्रमाव से किसी भी कर्मचारी पर जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रमाव नहीं पड़ता।

G.S.R. 1119(E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 401 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-07-1959.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE ..

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 426 R.I.

RULE 401

The existing sub-rule (4) may be substituted by the following :—

“‘Pay’ means pay as defined in Rule 2003(21)(a) [P.R. 9(21)(a)] of the Indian Railway Establishment Code, Volume-II. In the case of Running Staff, Pay shall also include 25% of pay in the authorised Scales of Pay as the pay element in running allowance.”

AUTHORITY : (Ministry of Railways' letter No. PC-60/RA-2/1 dt. 22-5-1961.)

EXPLANATION :

The Rule 401 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1st Reprint—1971 Edition) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-7-59. These instructions were necessitated by the introduction of the authorised scales of pay recommended by the Second Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1120(प्र).—संविधान के प्रत्यक्ष नियम 309 के परम्परा द्वारा प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग करते हुए, यात्रा जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, नियम-I (प्रयम पुनर्मूल्यन) के नियम 401 में प्रनुभावक के प्रत्यक्ष संसोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-02-1963 से वृप्तावी होते।

[सं. ई (पी एड ए) II/86/प्रार एस 15]

अनुबंध

प्रतिम शुद्धिपत्र सं. 427 स्था. I

नियम 401

बर्तमान उप नियम (4) को निम्नसिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएः—

“बैतन” के प्रभिन्न भारतीय रेल स्थापन संहिता, नियम-II (प्रयम पुनर्मूल्यन—1971 संस्करण) के नियम 2003 (21)(क) [पू. नि. ९ (21)(क)] में परिवर्तित बैतन से है। भालन कर्मचारिकरण के मामले में कर्मचारी के बैतन में प्राधिकृत बैतनयान में बैतन के 40 प्रतिशत की भी भालन भते में बैतन तत्व के रूप में सामिल किया जाएगा।

[प्राधिकारः—रेल मंत्रालय का दि. 7-3-63 का पत्र सं. पी सी-८०/प्रार. ए. २/१]

स्पष्टीकरणः—

भारतीय रेल स्थापन संहिता, नियम-I (प्रयम पुनर्मूल्यन-1971 संस्करण) को नियम 401 को राष्ट्रपति के प्रत्यक्षन से जारी 1-2-63 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से घोषित किया गया है। इससे केवल बैतन आयोग द्वारा संस्कृत प्राधिकृत बैतनयानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इस संसोधन का भारतीय प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तरीख से कानूनी घोषित प्रदान करना है, जिस तरीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के पूरन्तरी उभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रमाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1120 (E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 401 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-02-1963.

[No. E (P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 427 R.I.

RULE 401

The existing sub-rule (4) may be substituted by the following :—

“‘Pay’ means pay as defined in Rule 2003(21)(a) [P.R. 9 (21)(a)] of the Indian Railway Establishment Code, Volume II

In the case of Running Staff, Pay shall also include 40% of pay in the revised Scales of pay as the pay element in running allowance."

AUTHORITY : (Ministry of Railways letter No. PC-60/RA-2/1 dt. 7-3-1963).

EXPLANATION :

The Rule 401 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1st Reprint—1971 Edition) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-2-1963. These instructions were necessitated by the introduction of the authorised scales of pay recommended by the Second Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1121(प)---संविधान के प्रत्येक 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त यात्रियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रगत जो भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्ड—I (प्रथम पुनर्मित) के नियम 401 में प्रत्युत्तम के प्रत्यावर संशोधन करते हैं।

ये संशोधन से प्रभावी होते।

[सं. ई (से एवं ए) 11/86/प्रार एस 18]

प्रत्युत्तम

अधिकार प्राप्तिपत्र सं. 431 द्वा. 1

नियम 481

कर्तव्यानुचित विवरण (4) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये :—

“वेतन” से प्रभिकार भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्ड-1 के नियम 2003 (21) (क) भू. नि. 9/21 (क) में परिवर्तित वेतन से है। चालन कर्मचारीबद्ध के मामले में, कर्मचारी के वेतन में संशोधित वेतनमात्र में वेतन का 30 प्रतिशत भी चालन जरूर में वेतन के रूप में घासित होता।

[प्रभिकार :—रेल मंत्रालय का विनायक 22-3-1976 का वल सं. पी. सी. 3/25/प्रार. ए.]

स्वेच्छाकरण :

भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्ड—I (प्रथम पुनर्मित—1971 संस्करण) के नियम 401 को राष्ट्रगत के प्रत्युत्तम से जारी 1-4-1976 से प्रभावी प्रसासनिक प्रत्युत्तमों के वाल्यम से प्राप्तोद्धित किया गया है। तो सरे केन्द्रीय वेतन द्वारा संस्तुत संशोधित वेतनमात्रों को जागू करने के कारण इन प्रत्युत्तमों को घासव्यक्ता पड़ी थी। इस संशोधन का घासव्य प्रसासनिक प्रत्युत्तमों को उसी तारीख से कानूनी घासित प्रशान करता है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। वह प्रभागित किया जाता है कि इन नियमों के भूतक्षी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर जिस पर में नियम जागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1121(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 401 of Indian Railway Establishment Code, volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No. E(P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 431 R.I.

RULE 401

The existing sub-rule (4) may be substituted by the following:

“Pay” means pay as defined in Rule 2009 (21)(a) [FR. 9(21) (4)] of the Indian Railway Establishment Code, Volume II. In the case of Running Staff, Pay shall also include 30% of pay in the revised scales of pay as the pay element in Running Allowance.”

AUTHORITY: Ministry of Railways letter No. PCIII (75/RA-1 dt. 22-3-1976).

EXPLANATION :

The Rule 401 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1st reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1122 (प)---संविधान के प्रत्येक 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त यात्रियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रगत जो भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्ड—I (प्रथम संस्करण, 1985) के नियम 603 (1) में प्रत्युत्तम के प्रत्यावर संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-01-1987 से प्रभावी होते।

[सं. ई (से एवं ए) 11/86/प्रार एस 18]

प्रत्युत्तम

वृत्ति नं. 11

पृष्ठ 63, नियम 603 (1)---“प्राविहित विविध विविध की परिवारा”

“दिल्ली” में वर्तमान मात्र (1) को विस्तारित करता होता कहे—

“रेतिन कर्मचारियों के मामले में समय-समय पर प्रशासनिक प्रत्युत्तमों के मालिम से सत्कार द्वारा यथा प्रविद्युतित रूपण जरूर में वेतन तत्व का बोर्ड इक निवित वंडडह।”

G.S.R. 1122(B).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 603(1) of Indian Railway Establishment Code, Volume I (Fifth Edition), 1985 as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-01-1987.

[No. E/P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

Page 63, Rule 603(1)---‘Definition of Authorized Mechanical Attendants’.

In the ‘Note’ substitute the following instead of the item (1):—

“In the case of running staff fixed component representing the Pay element in the running allowance as notified by the Government through administrative instructions from time to time.”

सा. का. नि. 1123 (प) :—संविधान
परस्तु द्वारा प्रदत्त संविधान का प्रयोग । के अनुच्छेद 309 के रूप स्थापन संहिता, जिल-1 (प्रथम रूप से हुए, राष्ट्रवाति जो भारतीय अनुसंधन के अनुसार संकोषण (पुनर्द्वारण) के नियम 712 में ये संकोषण 01-04-1976 से होते हैं।

—1976 से प्रभाव होते हैं।

[स. ई (पी एंड ए) 11/86/प्रार एस 15]

प्रत्यक्ष

अधिकारी अधिकार सं. 432 रुपा. 1

नियम 712

उप नियम (5) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा:—

“बीसत वेतन” का प्रभिकाय संबोधित वेतनमात्र में लिये गये वेतन से है, जिसका वह वेतन जो एक रेल सेवक द्वारा प्रविष्टियों द्वारा प्रदत्त स्थायी पद पर सूची लेने की तारीख से पहले की तारीख को निया जाये परस्तु जालन भर्ते के हकदार कर्मचारिकृत के वेतन में, जिस वर्षाने रेल सेवक सूची पर आता है उस महीने के तत्काल पूर्व के बाहर महीनों को प्रवधि के दौरान प्रविष्ट बीसत जालन भर्ते उसी प्रवधि में लिये गये वेतन के बीसत के प्रविष्टम 45 प्रतिशत की गति के अंधारशील जारित किये जायेंगे। एक भास से प्रवधिक सूची के मामलों में एक बार निवारित बीसत जालन भर्ता वित्त वर्ष की शेष प्रवधि में सागृ रहेगा।

[प्राधिकार : रेल मंत्रालय दिनांक 22-3-1976 का पत्र सं. पी सी 3/75/प्रार. ए/1]

स्पष्टीकरण :—

भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल-1 (प्रथम पुनर्द्वारण—1971 संस्करण) के नियम 712 को राष्ट्रवाति के अनुमोदन से जारी 1-4-1976 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से भारतीयित किया गया है। तीसरे केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा संकुचन संबोधित वेतनमात्रों को सागृ करने के कारण इन अनुदेशों की प्रावधकता नहीं थी। इस संकोषण का जालन प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतत्वीय प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पहुँचेगा।

G.S.R. 1123(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 712 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No. E (P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 432 R.I.

RULE 712

The sub-rule(5) may be substituted by the following:

“‘Average Pay’ means the pay drawn in the revised scales of pay, or that would be drawn by a railway servant in the permanent post held substantively by him on the date

preceding that on which he proceeds on leave provided that the pay of a servant entitled to running allowance shall include the average running allowance earned during the 12 months immediately preceding the month in which a railway servant proceeds on leave subject to a maximum of 45% of average of the pay drawn for the same period, the average running allowance once determined remaining in operation during the remaining part of the financial year in cases of leave not exceeding one month.”

AUTHORITY: (Ministry of Railways letter No. PC-III/73-RA/1 dated 22-3-1976).

EXPLANATION :

The Rule 712 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1st reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give retrospective force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1124(अ).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तु द्वारा प्रदत्त संविधानों का प्रयोग करने हुए, राष्ट्रवाति जो भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल-1 (प्रथम पुनर्द्वारण) के नियम 712 में अनुसंधन करते हैं।

ये संकोषण 01-04-1981 से प्रभाव होते हैं।

[स. ई (पी एंड ए) 11/86/प्रार एस 15]

प्रत्यक्ष

अधिकारी अधिकार सं. 440 रुपा. 1

नियम 712 उप नियम (5) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा:—

“बीसत वेतन का प्रभिकाय है कि वह वेतन जो रेल सेवक द्वारा प्रविष्टियों के माध्यम से भारतीय वेतनमात्रों की तारीख से पहले की तारीख को निया गया हो परस्तु जालन भर्ते के हकदार कर्मचारिकृत के वेतन में, जालन भर्ते में वेतन तत्काल के रूप में संबोधित वेतनमात्र में वेतन का 30 प्रतिशत भी जारित होगा।

[प्राधिकार : रेल मंत्रालय का दिनांक 12-7-1981 का पत्र सं. पी एंड ए) 2/80/प्रार एस-10)

स्पष्टीकरण :

भारतीय रेल स्थापना संहिता के नियम 712 को राष्ट्रवाति के अनुमोदन से जारी 1-8-81 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से प्रावधित किया गया है। जालन भर्ती समिति (1980) की विकारियों पर संस्कार द्वारा लिये गये विनियमों के कारण इन अनुदेशों की प्रावधकता नहीं हुई थी। इस संकोषण का माध्यम प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतत्वीय प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पहुँचेगा।

G.S.R. 1124 (B).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 712 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No.E(P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE
ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 440 R.I.

RULE 712

The sub-rule (5) may be substituted by the following:

"Average Pay" means the pay drawn or that would be drawn by a railway servant in the permanent post held substantively by him on the date preceding that on which he proceeds on leave; provided that the pay of staff entitled to running allowances shall also include 30% of pay, in the revised scales of pay as the pay element in running allowance."

AUTHORITY: [Ministry of Railways' letter No. E(P&A) II-80/RS-10 dt. 17-7-1981].

EXPLANATION:

The Rule 712 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-8-1981. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendation of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1125(प्र).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तुत द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्हा-I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 730 में अनुसन्धान के मनुसार संशोधन करते हैं।

वे संशोधन 01-04-1976 से प्रभावी होंगे।

[स. ई (प्र एवं प) II/86/मार एक-16]

मनुसार

प्रतिम शुद्धित नं. 433 स्था. I

नियम 730

नियम 730 के लोके टिप्पण को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:—

टिप्पण: चालन भवे के इकाई कर्मचारियों के मामले में, रेल संकाल के द्वारा पर जाने के महीने से तकाल पूर्व के 12 महीनों के द्वारा नियमित भौतिक चालन भवा भासित होता, परस्त यह संशोधित बेतनभाल में उसीं अवधि के लिये जाये जाये बेतन के भौतिक का अधिक से अधिक 45 प्रतिशत होता। एक भासि के अनुचित अवधि के मामलों में एक बार नियमित भौतिक चालन भवा वित वर्ष को जो अवधि के द्वारा जागू रहता।

[प्राधिकार: रेल संसाधन का दि. 22-3-1976 का पत्र नं. पी. सी. 8/28/शारण/1]

स्पष्टीकरण भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्हा-I [प्रथम पुनर्मुद्रण-1971 सम्बरण] के नियम 730 की राष्ट्रपति के मनुसार संहिता, जिल्हा-I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के माध्यम से ग्रामांधित किया गया है। तीसरे केर्तव्य बेतन भावीय द्वारा संस्तुत संशोधित बेतनभालों को लागू करने के कारण इन भौतिकों की आवश्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का आवश्यक, प्रशासनिक अनुदेशों को उसीं तारीख से कानूनी पक्षित प्रशासन करता है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रशासनिक नियम जाता है कि इन नियमों के भूतनामों प्रशासन से किसी भी कर्वाचारी पर, जिस पर मेरे नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1125 (B).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 730 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No.E(P&A)II/87/RS/15]

ANNEXURE
ADVANCE CORRECTION SLIP NO.433 R.I.

RULE 730

Note under Rule 730 may be substituted by the following:

"NOTE:—In the case of staff entitled to running allowance shall include the average running allowance earned during the 12 months immediately preceding the month in which a railway servant proceeds on leave, subject to a maximum of 45% of average of the pay in the revised scales of pay, drawn for the same period, the average running allowance once determined remaining in operation during the remaining part of the financial year in cases of leave not exceeding one month".

AUTHORITY: [Ministry of Railway's letter No. PC-III/73/RA/1 dated 22-3-1976]

EXPLANATION:

The Rule 730 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1st reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1126(प्र).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तुत द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्हा-I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 730 में अनुसन्धान के मनुसार संशोधन करते हैं।

वे संशोधन 01-08-1981 से प्रभावी होंगे।

[स. ई (प्र एवं प) II/86/मार एक-16]

प्रान्तिक

मंत्रिमंत्र शुद्धिपत्र सं. 441 स्था.-1

नियम 730

नियम 730 के नोंचे दिल्ली को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया गया:—

दिल्ली: भालत भर्ते के हुक्मार कर्मचारित्व के मामले में, “वेतन” में भालत भर्ते में वेतन तत्व के रूप में संशोधित वेतनमात्र में मूल वेतन का 30 प्रतिशत भी शामिल होगा।

[प्राधिकार: रेल संवालय का दिनांक 17-7-1981 का पत्र सं. ई (पौ एड प) 2/80/प्रार एस 10]

स्पष्टीकरण:

भालत भर्ते के हुक्मार कर्मचारित्व के मामले में, “वेतन” में भालत भर्ते में वेतन तत्व के रूप में संशोधित वेतनमात्र में मूल वेतन का 30 प्रतिशत भी शामिल होगा।

[प्राधिकार: रेल संवालय का दिनांक 17-7-1981 का पत्र सं. ई (पौ एड प) 2/80/प्रार एस 10]

भालत भर्ते संविधित, जिल्हा-I (प्रथम पुनर्दिग्न) के नियम 210 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-8-1981 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से शाशीवित किया गया है। भालत भर्ता संविधि (1980) के निफारियों पर सरकार द्वारा किए गए विनियोगों के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता हुई थी। इस संशोधन का आशय प्रशासनिक अनुदेशों की उसी तारीख से कानूनी वित्त प्रदान करता है, जिस तारीख से उहाँे जारी किया गया था। यह प्रभावित किया जाता है फिर इन नियमों के द्वारा योग्य प्राप्ति से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पहुँचेगा।

G.S.R. 1126(E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 730 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No.E(P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 441 R.I.

RULE 730

Note under Rule 730 may be substituted by the following:

“NOTE:—In the case of Staff entitled to running allowance, ‘Pay’ shall also include 30% of basic pay, in the revised scales of pay, as pay element in running allowance.

AUTHORITY: [Ministry of Railways' letter No. E(P&A) II-80/RS-10 dt. 17-7-1981.]

EXPLANATION:

The Rule 730 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-8-1981. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendation of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

साक्षा.नि. 1127(अ).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्हा-I (प्रथम पुनर्दिग्न, 1985) के नियम 902(8) में अनुलम्बक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-01-1987 से प्रभावी होंगे।

सं. ई (पौ एड प) II/86/प्रार एस 15]

अनुलम्बक

पृष्ठ 91, नियम 902(8).“वेतन”

मूल परिभाषा में निम्नलिखित को अंतिम वाक्य के रूप में जोड़ दें—

“रेतिंग कर्मचारियों के मामले में भविष्य निधि में विशेष अंशदाता के तिप्प देता में, सम्पन्नवय पर प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से सरकार द्वारा योग्य प्रधिकूलित रूपांतर भर्ते में वेतन तत्व का घोड़त एक निर्वित घटक शामिल होता।

G.S.R. 1127 (B):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 902(8) of Indian Railway Establishment Code, Volume I (Fifth Edition, 1985) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-01-1987.

[No. E (P & A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

पृष्ठ 91, नियम 902 (8).—‘Pay’.

Add the following as the last sentence in the main definition:—

“In the case of running staff the pay for special contribution to Provident Fund will include a fixed component representing the pay element in the running allowance, as notified by the Government through administrative instructions from time to time”.

साक्षा.नि. 1128(अ).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तुत द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापना संहिता जिल्हा-I (प्रथम पुनर्दिग्न) के नियम में अनुलम्बक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन संभोधन से प्रभावी होंगे।

सं. ई (पौ एड प) II/86/प्रार एस 15]

अनुबन्ध

प्राप्ति शुद्धिपत्र सं. 434 स्था.-I

नियम 903

नियम 903(1) के गोंके दिल्ली (1) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:—

“भालत कर्मचारित्व के मामले में, संशोधित वेतनमात्र में वेतन के 45 प्रतिशत तत्व भालत भर्ता”

[प्राधिकार:—रेल संवालय का दिनांक 22-7-1978 का पत्र सं. पी सं. 3/75-प्रार ए/1]

स्पष्टीकरण

भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्हा-I (प्रथम पुनर्दिग्न-1971 संस्करण) के नियम 903 की राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-4-76 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से शाशीधित किया गया है। तीसरे केमोय

वेतन आयोग द्वारा संतुलन संशोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों को आवश्यकता पड़े थे। इस संशोधन का आयात 4 प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिन तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतनजी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर नियम पर वे नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ते।

G.S.R. 1128(E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 903 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No. E (P & A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 434 R.I.

RULE 903

Note (i) under Rule 903(1) may be substituted by the following:—

“In the case of running staff, running allowance to the extent of 45% of pay in the revised scales of pay.”

AUTHORITY : (Ministry of Railways letter No. PC-II/75/RA/1 dated 22-3-1976).

EXPLANATION :

The Rule 903 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1st reprint) has been modified through Administration instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1129(अ) :—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपति जो भारतीय रेल स्थापना संहिता जिल्ड-I पंचम संस्करण, 1985 के नियम 902(5) में अनुलग्नक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-01-1981 से प्रभावी होते।

[स. ई.(पी. एड. प.) II/86/भार.एस. 15]

अनुलग्नक

पृष्ठ 80 नियम 902(5)—"परिस्थितियाँ"

मद (1) के वर्तमान परन्तु को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित करें:—

“रनिंग -प्लैट के हत्तेशर नाम “अ” और मरु “ब” रेल सेवकों की सामिक परिस्थितियों में समय-समय पर प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से सरकार द्वारा यथा प्रधिसूचित रनिंग -प्लैट के वेतन तत्व का द्वारा एक निश्चित संधटक शामिल होता।”

G.S.R. 1129(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 902(5) of Indian Railway Establishment Code, Volume I (Fifth Edition), 1985 as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-01-1987.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

पा. 90, Rule 902(5)—"Emoluments."

Substitute the following instead of the existing proviso—
Item (i) :—

“The monthly emoluments of a Group 'C' and Group 'D' Railway servant entitled to running allowance shall include a fixed component representing the pay element in the running allowance, as notified by the Government through administrative instructions from time to time.”

सा.का.नि. 1130(अ) :—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपति जो भारतीय रेल स्थापना संहिता जिल्ड-I (पंचम पुनर्मित्त) के नियम 903 में अनुलग्नक के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-03-1981 से प्रभावी होते।

[स. ई.(पी. एड. प.) II/86/भार.एस. 15]

अनुलग्नक

श्रियम कृदितम् स. 442 रा. 1

नियम 903

उपर्युक्त नियम (1) के भीतरे टिप्पणी (i) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:—

“टिप्पणी” चालन कर्मचारियों के मामले में चाला गये में वो उत्तर के रूप में, संशोधित वेतनमान में गूल वेतन का 30 प्रतिशत।

प्रधिकार:—रेल मंड़ाव का दि. 17-7-1981 का पत्र स. ई. (पी. एड. प.)-2/80/भार. एस.-10।

स्पष्टीकरण:—

भारतीय रेल स्थापना संहिता के नियम 903 को राज्यपति के प्रनमोदन से जारी 1-9-81 से प्रभावी प्रारंभिक अनुदेशों के माध्यम से आयोगित किया गया है चाला भता संविधि (1980) की गिराविरों पर सरकार द्वारा यथा गये विनियोग के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता हुई थी। इन संशोधन का भारतीय प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतनजी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, वितर पर वे नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ते।

G.S.R. 1130(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 903 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 442 R.I.

RULE 903

Note (i) under sub-rule (1) may be substituted by the following:—

“NOTE :—In the case of running staff, 30% of basic pay, in the revised scales of pay, as the pay element in running allowance.”

AUTHORITY : (Ministry of Railways' letter No. E(P&A) II-80/RS-10 dt. 17-7-1981.)

EXPLANATION :

The Rule 903 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-8-1981. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendations of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of these amendments is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1131(प्र).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तक द्वारा प्रवत्त विविधों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्हा—I (प्रथम पुनर्द्वारण) के नियम 1107 में अनुशासन के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संविधान 01-04-1976 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई (पी एड ए) II/86/पार एस 15]

अनुबंध

प्रग्राम शुद्धिपत्र सं. 436 स्पा. 1

नियम 1107

उप नियम (3) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये :—

“इस प्रयोग के लिए ‘वेतन’ अधिकारी वेतन होगा और इसमें आलन आता भागिल होगा जो आलन कर्मचारिकृत के मामले में संक्षेपित वेतन-मान में अधिकारी वेतन का अधिक से अधिक 45 प्रतिशत होगा।”

(प्राधिकार: रेल मंत्रालय का दिनांक 22-3-1976 का पद सं. पी सी 3/76/पार ए. 1)

सम्पूर्णकरण :—

भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्हा—I (प्रथम पुनर्द्वारण—1971 संस्करण) के नियम 1107 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-4-76 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से आवश्यकता किया गया है। तीसरे के लिये वेतन आवोग द्वारा संस्कृत संशोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों को आवश्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का आवश्यक प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी वित्त प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रभावित किया जाता है कि इन नियमों के भूतनकी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1131(B).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1107 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 435 R.I.

₹ RULE 1107

The sub-rule (3) may be substituted by the following :—

“‘Pay’ for this purpose shall be substantive pay and shall include the running allowance subject to a maximum

of 45% of substantive pay, in the revised scales of pay, in the case of running staff.”

AUTHORITY : (Ministry of Railways' letter No. PC-III/75/RA/1 dated 22-3-1976.)

EXPLANATION :

The Rule 1107 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1st reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the instruction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1132(प्र).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तक द्वारा प्रवत्त विविधों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्हा—I (प्रथम पुनर्द्वारण) के नियम 1107 में अनुशासन के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संविधान 01-08-1981 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई (पी एड ए) II/86/पार एस 15]

अनुबंध

प्रग्राम शुद्धिपत्र सं. 443 स्पा. 1

नियम 1107

उप नियम (3) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये :—

“इस प्रयोग के लिए ‘वेतन’ अधिकारी वेतन होगा और इसमें आलन भत्ते में वेतन तत्व के रूप में संशोधित वेतनमान में मूल वेतन का 30 प्रतिशत भी जागिल होगा।”

(प्राधिकार :—रेल मंत्रालय का दिनांक 17-7-1981 का पद सं. ई (पी एड ए) 2/80/पार एस-10)

सम्पूर्णकरण

भारतीय रेल स्थापना संहिता के नियम 1107 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-8-81 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से प्राप्तिवित किया गया है। आलन भत्ता समिति (1980) की सिफारिशों पर सरकार द्वारा किये गये विनियमों के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता हुई थी। इस संशोधन का आवश्यक प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी वित्त प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रभावित किया जाता है कि इन नियमों के भूतनकी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1132(B).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1107 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No. E. (P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 443 R.I.

RULE 1107

The sub-rule (3) may be substituted by the following:—

“‘Pay’ for this purpose shall be substantive pay and shall also include 30% of basic pay; in the revised scales of pay, as the pay element in running allowance.”

AUTHORITY : (Ministry of Railways' letter No. E (P&A) II-80/RS-10 dt. 17-7-1981)

EXPLANATION :

The Rule 1107 of Indian Railway Establishment Code Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-8-1981. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendation of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of these amendments is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1133(अ).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्परा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापना संस्थिता, जिल्द-I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 1108 में अनुलेनक के अनुपार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-04-1976 से प्रभावी होंगे।

[म. ई (पी एंड ए) 11/86/भार एस-15]

मन्त्रीकरण

प्रथम भाग में 436 स्था 1

नियम 1108

उपर नियम 5(ब) को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाये—

“बाण्ड (क) के प्रयोग के लिए वेतन से अभियाय मध्यांतरी वेतन से है और जिसमें स्थानापन वेतन, विशेष वेतन और वैयक्तिक वेतन शामिल है। चालन भत्ते के हकदार कर्मचारिवृन्द के मामले में उसके वेतन में संशोधित वेतनमात्र में चालन भत्ता भी शामिल होगा, जो वेतन का अधिक से अधिक 45 प्रतिशत होगा।”

उपर नियम 5(य) के नीचे टिप्पणी को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये—

“टिप्पणी—

किसी रेल सेवक की छुट्टी की अवधि के दौरान, ‘देनत’ रेल सेवक के अधियांतरी वेतन, वैयक्तिक वेतन और विशेष वेतन, यदि कोई हो, को भिन्नाकर भाना जाना चाहिए। चालन कर्मचारियों के मामले में अधियांतरी वेतन में वह चालन भत्ता, जो रेल सेवक ने उस अवधि के दौरान लिया होता, शामिल भाना जाना चाहिए, परन्तु यह संशोधित वेतनमात्र में ऐसे भत्ते के 45 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।”

(प्राधिकार: रेल मंत्रालय का दि 22-3-1976 का पत्र सं. पी सी 3/75/भार ए/1)

3119 GI/88

संशोधन

भारतीय रेल स्थापना संस्थिता, जिल्द I (प्रथम पुनर्मुद्रण 1971 संस्करण) के नियम 1108 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-4-76 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से प्राप्तिकरण किया गया है। लीसरे केन्द्रीय वेतन शायोग हारा संस्तुत संशोधित वेतनमात्रों को लागू करते के कारण इन अनुदेशों की अवधिकरण पड़ी थी। इस संशोधन का आवश्यक प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करता है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतान्त्री प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर जिस परे नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता।

G.S.R. 1133 (E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution the President is pleased to amend Rule 1108 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No. E. (P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 436 R.I.

RULE 1108

The sub-rule (5)(b) may be substituted by the following:—

“‘Pay’ for the purpose of Clause (a) means substantive pay and includes officiating pay, special pay and personal pay. In respect of staff entitled to running allowances, it also includes running allowance subject to a maximum of 45% of pay, in the revised scales of pay.”

The Note under sub-rule (5)(b) may be substituted by the following :

“NOTE : During the period a railway servant is on leave, ‘Pay’ should be taken to mean the railway servant's substantive pay plus personal pay and special pay, if any. In the case of running staff, substantive pay should be held to include running allowance which the railway servant would have drawn during the period, subject to such allowance not exceeding 45% of his substantive pay, in the revised scales of pay.”

AUTHORITY : (Ministry of Railways' letter No. PC-III/75/RA/1 dated 22-3-1976).

EXPLANATION :

The Rule 1108 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (first reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1134(अ).—संविधान के अनुच्छेद 30 के परम्परा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापना संस्थिता, जिल्द-1 (प्रथम पुनर्मुद्रण संस्करण) के नियम 1108 में अनुलेनक के अनुपार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-08-1981 से प्रभावी होंगे।

[म. ई (पी एंड ए) 11/86/भार एस 15]

भारतीय

प्रधिन अधिकार सं. 444 रा. 1

नियम 1108

उप नियम (5)(ब) को विस्तृतिकरण द्वाय प्रतिस्थापित किया जाये:—

“बाय (क) के प्रयोजन के लिए वेतन से भवित्वात् प्रधिकारी वेतन से ही और इसमें स्वातापन वेतन, विशेष वेतन और वैयक्तिक वेतन समिल है। वालन भत्ता के हक्कार कर्तव्याद्वारा के नामसे में इन वेतन में वालन भत्ता में वेतन वेतन के रूप में, संशोधित वेतनमान में मूल वेतन का 30 प्रतिशत भी समिल है।

[प्रधिकार:—रेल मंत्रालय का विनाक 17-7-1981 का पत्र सं. E (पी.एच.ए) 2/80/मार.एम-10]

स्पष्टीकरण

भारतीय रेल स्थापन संहिता के नियम 1108 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-8-81 से प्रभावी प्रवासनिक प्रधिकारी के माध्यम से आवोधित किया गया है। वालन भत्ता संविति (1980) को सिफारिशों पर परकार द्वाय किये गये विविधवर्षों के कारण इन प्रधिकारी को आवश्यकता नहीं थी। इस संशोधन का भावाव प्रवासनिक प्रवेन्द्रियों को उसी तारीख से कानूनी व्यक्ति बनाकर करता है, जिन तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाना है कि इन नियमों के भूतकालीन प्रवासन से किसी भी कर्मचारी पर, जिन पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1134 (E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1108 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No. E (P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 444 R.I.
RULE 1108

The sub-rule (5)(b) may be substituted by the following:—

Pay for the purpose of Clause(a) means substantive pay and includes officiating pay, special pay and personal pay. In respect of staff entitled to running allowances, it also includes 30% of basic pay, in the revised Scale of pay, as the pay element in running allowance.”

AUTHORITY : [Ministry of Railways' letter No. E (P&A II-80/RS-10 dt. 17-7-1981].

EXPLANATION :

The Rule 1108 of Indian Railway Establishment Code, Volume I, (First Reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-8-1981. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendation of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of these amendments is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सं.का.नि. 1135(भ).—संविति के अनुमोदन 309 के परम्परा द्वाय प्रवासन संवित्यों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापन संहिता, विल-1 (प्रधानमंत्री) के नियम 1302 में अनुमोदन के प्रत्यासार संशोधन करते हैं।

वे संविति 01-01-1973 से प्रभावी होते हैं।

[सं. E (पी.एच.ए) 11/86/मार.एम-15]

भारतीय

प्रधिन अधिकार सं. 428 रा. 1

नियम 1302

उप नियम (6) के नीव परामुक (11) को विस्तृतिकरण द्वाय प्रतिस्थापित किया जाये:—

“वालन भत्ता के हक्कार भवान्यप्रित रेल सेवक की मासिक पर्यायवर्षों में, उसके द्वाय सहीने के द्वायन सौ गयी वालन भत्ता की वास्तविक वालन, जो संशोधित वेतनमान में व्यक्तिके संविति उसके वेतन का 45 प्रतिशत तक होती, जामिल की जायेगी।

(प्रधिकार:—रेल मंत्रालय का विनाक 22-3-1977 का पत्र सं. पी.सी.-3/75/मार.ए/1 जैसा रेल मंत्रालय के विनाक 23-6-1976 के सम-संबद्ध पत्र द्वाय संशोधित किया गया था।)

स्पष्टीकरण :-

भारतीय रेल स्थापन संहिता, विल-1 (प्रधानमंत्री-1971 संस्करण) के नियम 1302 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-1-1973 से प्रभावी प्रवासनिक प्रधिकारी के नाममान से आवोधित किया गया है। जीसरे केंद्रीय वेतन आवोध द्वाय संस्कृत संशोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन प्रधिकारी को आवश्यकता नहीं थी। इस संशोधन का भावाव प्रवासनिक प्रधिकारी को उसी तारीख से कानूनी व्यक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतकालीन प्रवासन से किसी भी कर्मचारी पर जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1135(B).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution the President is pleased to amend Rule 1302 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure

The amendment will be effective from 01-01-1973.

[No. E (P & A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO 428 R.I.

RULE 1302

The Proviso () under sub rule (5) may be substituted by the following;

“The monthly emoluments of a non-gazetted railway servant entitled to running allowances shall include the actual amount of running allowance drawn by him during the month, limited to a maximum of 45% of his pay, in the revised Scales of Pay”.

(AUTHORITY : Ministry of Railways' letter No. PCII/75/RA/I dated 22-3-76 and dated 23-6-76).

EXPLANATION :

The Rule 1302 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-1-1973. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1136 (प्र).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, वित्त-I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 1302 में अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संक्षेप 01-04-1979 से प्रभावी होते।

[सं. ई (प्र एवं ए) II/86/पार एस-15]

अनुबंध

प्रतिम शुद्धिपत्र सं. 437 स्वा. I

नियम 1302

उप नियम (5) के नीचे परस्त (ii) को निम्नलिखित दायरा प्रतिस्थापित किया जायेगा:—

“आजन भत्ते के हक्कावार अतिरिक्त रेल सेवक को मासिक वर्तमानियों में आजन भत्ते के वेतन तत्व के रूप में संतोषित वेतनमात्र में बूल वेतन का 55 प्रतिशत भी शामिल किया जायेगा।”

[प्राधिकार : रेल मंत्रालय का वि. 17-7-1981 का पत्र सं. ई (प्र एवं ए) 2/80/पार ए 10]

संस्कृतकरण:—

भारतीय रेल स्थापन संहिता के नियम 1302 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-4-79 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से अनुसूचित किया गया है। आजन भत्ता समिति (1980) को सिफारिशों पर संतान द्वारा किए गये विनियोगों के कारण इन अनुदेशों को आवश्यकता हुई थी। इस संहिता का आशार प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें आजन भत्ते के रूप में उपलब्धी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1136 (E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1302 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1979.

[No. E (P & A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 437 R.I.

RULE 1302

The Proviso (ii) under Sub-rule (5) may be substituted by the following:—

“The monthly emoluments of a non-gazetted railway servant entitled to running allowance shall also include

55% of basic pay in the revised scales of pay, as the pay element in Running Allowance.”

AUTHORITY : Ministry of Railways' letter No. E (P & A) II-80/RS-10 dated 17-7-1981.

EXPLANATION :

The Rule 1302 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1979. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendations of 'Running Allowance Committee (1980). The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1137 (प्र).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, वित्त-I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 1309 में अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संक्षेप 01-01-1973 से प्रभावी होते।

[सं. ई (प्र एवं ए) II/86/पार एस-15]

अनुबंध

प्रतिम शुद्धिपत्र सं. 429 स्वा. I

नियम 1309

उपनियम (1) के नीचे परस्त (ii) में दूसरे भाव को निम्न सिद्धित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा:—

“आजन कांस्यालियर के मामते में, वेरा में उप औपचारिक भत्ता का आरद्धांश भाव भी जोड़ा जो उसे प्रदान करते हुए होने वाले महीने से पहले के बारे महीनों में प्रतिस्थापित किया हो, जो उसके यथा उत्तिनिषेध संगीता वेतनमात्र में स्वाराप्त/दूत वेतन के नियाँ से भी होइ विदेश वेतन उपर के वेतनमात्र का थिस्ता हो तो वह भी शामिल होगा, 45 प्रतिशत तक सीमित होगा।

(प्राधिकार : रेल मंत्रालय का वि. 22-3-1976 का पत्र सं. पी. सी. 3/75/पार ए/1 जैसा रेल मंत्रालय के विनाक 23-6-1976 के समर्वद्यक पत्र द्वारा संतोषित किया गया)।

संस्कृतकरण :

भारतीय रेल स्थापन संहिता, वित्त-I (प्रथम पुनर्मुद्रण, 1971 संस्कृतण) के नियम 1309 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-1-1973 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से अनुसूचित किया गया है। दूसरे केवलीय वेतन भावों द्वारा संतुल भवेत्तित वेतनमात्रों को सामूहिकरण के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इस उपसंहिता का आशार प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करता है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रयोगित किया जाता है कि इन नियमों के भूतनवीं प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1137(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1309 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-01-1973.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 429 R.I.

RULE 1309

The second sentence in Proviso (ii) under Sub-rule (1) may be substituted by the following:

"In the case of Running Staff, 1/12th of the Average running allowance earned per month during the 12 months preceding the month in which his leave begins limited to 45% of the officiating/substantive pay in the revised Scales of Pay, as referred to above, including Special Pay if forming part of the scale of pay of the post shall also be added to that".

(AUTHORITY : Ministry of Railway's letters No. PC III/75/RA/1 dated 22-3-1976 and 23-6-1976)

EXPLANATION :

The Rule 1309 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1st reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-1-1973. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of Pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these apply.

सा. का. नि. 1138 (प्र).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रगति जो भारतीय रेल स्वापन संहिता, जिल्हा-I (प्रथम पुनर्दिग्न) के नियम 1309 में अनुलेखन के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-04-1979 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई (वी एड ए) /II/86/प्रार एस 15]

अनुबंध

प्रथम मुद्रित सं. 438 स्पा. I

नियम 1309

उप नियम (1) के लिये परन्तुक (ii) के दूसरे वाक्य को निम्नलिखित द्वाय प्रतिस्थापित किया जाये:—

"चालन कर्मसाधारित्य के मामले में चालन भत्ते में बेतन का द्वारा, संकेतित वेतनमात्र में मूल वेतन का 55 प्रतिशत सी जोड़ा जायेगा।

(प्राविकार : रेल मंत्रालय का दि. 17-7-1981 का पत्र सं. ई(वी एड ए.) 2/80/प्रार एस-10)

संस्करण:—

भारतीय रेल स्वापन संहिता के जिल्हा I (प्रथम पुनर्दिग्न) नियम 1309 को राष्ट्रगति के अनुसेवन से जारी 1-4-79 से प्रभावी प्रकाशनिक भन्नुदेशों के माध्यम से भासीकृत किया गया है। भालव भत्ता संहिता (1980) की शिकायितों पर सकारात्मका किये गये विनियमों के कारण इन भन्नुदेशों की प्रावश्यकता हुई थी। इस संशोधन का ग्राम्य

प्रासादनिक भन्नुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करता है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रदर्शित किया जाता है कि इन नियमों के पूनर्नवीनीकरण से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1138(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1309 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1979.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 438 R.I.

RULE 1309

The Second sentence in proviso (ii) under Sub-rule (1) may be substituted by the following:—

"In the case of running staff 55% of basic pay, in the revised scales of pay, representing the pay element in Running Allowances shall also be added to that."

AUTHORITY : (Ministry of Railways' letter No. E (P&A) II-80/RS-10 dated 17-7-1981.)

EXPLANATION :

The Rule 1309 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1979. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendation of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1139 (प्र).—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रगति जो भारतीय रेल स्वापन संहिता, जिल्हा-I (प्रथम पुनर्दिग्न) के नियम 1302 में अनुलेखन के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-01-1973 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई (वी एड ए) /II/86/प्रार एस 15]

अनुबंध

प्रथम मुद्रित सं. 430 स्पा. I

नियम 1502

उप नियम (3) के लिये परन्तुक को निम्नलिखित द्वाय प्रतिस्थापित किया जाये:—

"परन्तु इन दोनों मामलों में यदि कोई रेल सेवक चालन भत्ते का हक्कार है तो वेतन में वह नामिक औरत चालन भत्ता भी जामिल होगा जो रेल सेवक ने सेवा छोड़ने के तत्काल पूर्व के 365 दिनों में किये गये चालन कर्तव्य के लिए लिया हो, पर तत्कालित वेतनमात्र में उन अवधियों में लिये गये भीतर वेतन से 45 प्रतिशत वह सीधित होगा।

(प्राविकार : रेल मंत्रालय का दिनांक 22-3-1976 का पत्र सं. वी सी. 3/75/प्रार ए/1 जैसा रेल मंत्रालय के दि. 23-6-1976 के सम्बन्धक पत्र द्वाय संकेतित किया गया)।

स्पष्टीकरणः—

भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्हा 1 (प्रथम पुनर्मिदारण—1971 संस्करण) के नियम 1502 को एल्ट्रोप्टि के अनुमोदन से आरो 1-1-1973 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से भागीधित किया गया है। तौसेरे केन्द्रीय बेतन प्रभावी द्वारा संस्कृतसंघीत बेतनमार्गों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों की भावितव्यता पड़ी थी। इन संशोधन का भास्य प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करता है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रभागित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलजी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पहेजा।

G.S.R. 1139(E) —In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1502 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-01-1973.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 430 R.I.

RULE 1502

The Proviso under sub-rule (3) may be substituted by the following :

“Provided that in respect of a Railway Servant of either case entitled to Running Allowances, pay shall also include the monthly average Running Allowance drawn by the Railway servant during 365 days of running duty immediately preceding the date of quitting service, limited to 45% of average pay for the same period, in the revised scales of pay.”

[AUTHORITY : Ministry of Railways' letters No. PCIII/75/RA/1 dated 22-3-1976 as amended by letter of even number dated 23-6-1976.]

EXPLANATION :

The Rule 1502 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1st reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-1-1973. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1140(अ) :—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्कुर द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, एल्ट्रोप्टि और भारतीय रेल स्थापन संहिता जिल्हा-1 (प्रथम पुनर्मिदारण) के नियम 1502 में अनुसन्धान के प्रक्रमानुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-04-1979 से प्रभावी होंगे।

[से ई. (वी एंड ए) II/86/प्रार.एम 15]

प्रत्येक

अधिग्रहण प्रदिप्ति म 439 स्पा.।

नियम 1502

उप नियम (3) के नीचे परस्कुर को नियमांत्रित द्वारा प्रभागीयता किया जाये :—

“परस्कुर दोनों प्रहार के मामलो में विदि कार्य देने कर्मचारी जालन भत्ते का हक्कदार है तो बेतन में जालन भत्ते को बेतन तत्व के रूप में मंशोधित बेतनमात्र में मूल बेतन का 55 प्रतिशत भी घानित किया जायेगा।

[प्रधिकार . देन मध्यान्तर का दिनांक 17-7-1931 ना. नं. स ई (वी. एंड ए) 2 /80/प्रार.एन -10]

स्पष्टीकरण

भारतीय रेल स्थापन संहिता के नियम 1502 को एल्ट्रोप्टि के अनुसन्धान से जारी 1-4-1979 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से भागीधित किया गया है जालन भत्ता संविति (1980) की सिफारिशों पर संस्कार द्वारा किये गये विनियमों के कारण इन अनुदेशों की भावशक्ता हुई थी। इन संशोधन का आगाम प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करता है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रभागित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलजी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, त्रिप्ति पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पहेजा।

G.S.R. 1140(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1502 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1979.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 439 R.I.

RULE 1502

The proviso under sub-rule (3) may be substituted by the following :

“Provided that in respect of a railway servant of either case, entitled to running allowances, pay shall also include 55% of basic pay, in the revised scales of pay as the pay element in Running Allowances.”

[AUTHORITY: Ministry of Railways letter No. E(P&A) II-80/RS-10 dated 17-7-1981.]

EXPLANATION .

The Rule 1502 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1979. These instructions were necessitated by the Government's decisions on the recommendations of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1141(ब) :—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त संविधान का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रांति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्हा-II (पंचम पुनर्द्वितीय) के नियम 2003 में अनुसन्धान के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-08-1981 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई(पी एंड ए) II/86/भार एस 15]

प्रनुभव

अधिकार सुदृष्टिपत्र सं 408 स्पा. II

नियम 2003

उन नियम (2) के नीचे परन्तुक (ii) को निम्नलिखित द्वारा प्रति स्थापित किया जाये:—

“परन्तु यह और कि चालन भर्ते के हककार कर्मचारिकृत के मामले में छुट्टी बेतन के प्रयोग के लिए औसत बेतन में चालन भर्ते से बेतन तत्व के रूप में संशोधित बेतनमात्र में, मूल बेतन का 30 प्रतिशत भी जापित होगा।

[प्राधिकार—रेल मन्त्रालय का दिनांक 17-7-1981 का पत्र सं. (पी. एंड ए) -2/80/प्रार.एस. 10]।

स्थायीकरण.—

भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्हा (II) (पंचम पुनर्द्वितीय) के नियम 2003 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-8-1981 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से प्राप्तिकृत किया गया है। चालन भर्ता यमिति (1980) को सिक्कारियों पर चरकार द्वारा रिये गये विनियोगों के कारण इन अनुदेशों की आवधिकता हुई थी। इस संशोधन का मालय प्रशासनिक प्रनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी अस्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्राप्तिकृत किया जाता है कि इन नियमों के भूतसक्षी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर से नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1141(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 2003 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth Reprint) as in the Annexure.

This amendment will be effective from 01-08-1981.

[No. E (P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 408 R.II

RULE 2003

Proviso (ii) under sub-rule (2) may be substituted by the following :

“Provided further that in the case of Staff entitled to running allowances, average pay for the purpose of leave salary shall also include 30% of basic pay, in the revised scales of pay, as the pay element in Running Allowance.”

[AUTHORITY: Ministry of Railway's letter No. E. (P&A)II-80/RS-10 dt. 17-7-1981].

EXPLANATION :

The Rule 2003 of the Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-8-1981. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendations of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of these amendments is to give statutory force to the administrative instructions

with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1142(अ) :—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त संविधान का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रांति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता जिल्हा-II (पंचम पुनर्द्वितीय) के नियम 2003 में अनुसन्धान के अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-04-1976 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई (पी एंड ए) II/86/ भार एस 15]

प्रनुभव

अधिकार सुदृष्टिपत्र सं 408 स्पा. II

नियम 2003

उन नियम (2) के नीचे परन्तुक (ii) को निम्नलिखित द्वारा प्रति स्थापित किया जाये:—

“परन्तु यह और कि चालन भर्ते के हककार कर्मचारिकृत के मामले में, छुट्टी बेतन के प्रयोग के लिए औसत बेतन में चालन भर्ते से बेतन तत्व के रूप में संशोधित बेतनमात्र में, मूल बेतन का 30 प्रतिशत भी जापित होगा।

[प्राधिकार :—रेल मन्त्रालय का दिनांक 22-3-1976 का पत्र सं. पी. सी. -3/75/प्रार.ए. 1]

स्थायीकरण

भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्हा II (पंचम पुनर्द्वितीय) के नियम 2003 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-4-76 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से प्राप्तिकृत किया गया है। तोतरे केन्द्रीय बेतन आयोग द्वारा संस्तुत संशोधित बेतनमात्रों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों की आवधिकता पड़ी थी। इस संशोधन का मालय प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी अस्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्राप्तिकृत किया जाता है कि इन नियमों के भूतसक्षी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर जिस पर से नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1142(अ).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 2003 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth Reprint) as in the Annexure.

This amendment will be effective from 01-04-1976.

[No. E(P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 406 R.II

RULE 2003

Proviso (ii) under sub-rule (2) may be substituted by the following :

“Provided further that in the case of staff entitled to running allowances, average pay for the purpose of leave salary shall include the average running allowance earned

during the 12 months immediately preceding the month in which a railway servant proceeds on leave, subject to a maximum of 45% of average of the pay in the revised scales of pay, for the same period, the average running allowance once determined remaining in operation during the remaining part of the financial year in cases of leave not exceeding one month".

AUTHORITY: Ministry of Railway's letter No. PC-III/75/RA/1 dated 22-3-1976.

EXPLANATION :

The Rule 2003 of Indian Railway Establishment Code Volume II (Fifth reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1143(अ) —संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्त द्वारा प्रदत्त जाकियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापन संहिता, भिल II (पार्वत पुनर्मुद्रण) के नियम 2544 में अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-01-1973 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई (पी एच ए) 11/86/भार एस-15]

प्रत्यक्ष

अधिकार शुद्धिपत्र सं 405 स्था. II

नियम 2544

उपनियम (छ) (i) और (छ) (ii) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये—

छ(i) औसत परिवहियों के परिवहन के सिए—

संशोधित वेतनमात्र में रेल सेवक द्वारा महोने के दौरान जी यदि चालन इन की वास्तविक उपचार जो वेतन के अधिक से अधिक 45 प्रतिशत तक सीमित है।

छ(ii) उपचार और प्रथमा भूम्य एवं सेवा निवृति उपचार के प्रयोगन के सिए—सेवा—छोड़ने के नकार पर्व के 365 दिनों के चालन कर्तव्य के दौरान संशोधित वेतनमात्र में सिए गये चालन इन का मासिक औसत जो उसी प्रबंधि के दौरान लिये गये औसत वेतन के 45 प्रतिशत तक सीमित हो।

(प्रधिकार रेल मंत्रालय का दिनांक 22-3-1976 का पत्र सं. धी 3/75/भार ए/1 जैसा रेल मंत्रालय के दिनांक 23-6-1976 के समर्त्यक पत्र द्वारा संशोधित किया गया)

स्पष्टीकरण—

भारतीय रेल स्थापन संहिता, भिल II (पार्वत पुनर्मुद्रण) के नियम 2544 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से आरी किया गया है।

1-1-1973 से प्रभावी प्रशासनिक अधिकारों के माध्यम से मासिक लिया गया है। लीसरे के मासिक वेतन प्रायोग द्वारा संस्तुत संशोधित वेतनमात्रों का लागू करने के कारण हन अनुवेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का आम्य प्रशासनिक अधिकारों को उसी तारीख से

कल्पनी विभिन्न प्रशासन करता है, जिस तारीख से उन्हें आरी किया गया था। यह प्रभावित किया जाता है कि इन नियमों के भूतकाली प्रशासन से किसी भी कमेवारी पर यिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकूल प्रशासन नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1143(E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 2544 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth Reprint) as in the Annexure

The amendment will be effective from 01-01-1973.

[No. E(P&A)II/86/RS-15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 405 R. II.

RULE 2544

Sub-rule (g)(i) and (g)(ii) may be substituted by the following:

(g)(i) "For the purpose of calculation of average emoluments—actual amount of running allowance drawn by the railway servant during the month limited to a maximum of 45% of pay, in the revised Scales of Pay".

(g)(ii) "For the purpose of gratuity and/or death-cum-retirement gratuity—the monthly average of running allowances drawn during the 365 days of running duty immediately preceding the date of quitting service limited to 45% of average pay drawn during the same period, in the revised scales of pay."

AUTHORITY: Ministry of Railway's letters No. PCIII/75/RA/1 dated 22-3-1976 as amended by letter of even number dated 23-6-1976

EXPLANATION:

The Rule 2544 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth reprint) has been modified through administrative instructions issued with the President's approval effective from 1-1-1973. These instructions were necessitated by the introduction of the revised Scales of Pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1144(अ) —संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्त द्वारा प्रदत्त जाकियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापन संहिता, भिल-II (पार्वत पुनर्मुद्रण) के नियम 2544 में अनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-04-1979 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई (पी एच ए) 11/86/भार एस-15]

कृ. वंकटेशन,

निदेशक, स्थापना (वे. एवं म.), रेलवे बोर्ड

प्रत्येक

मण्डप में 407 स्था. II

नियम 2544

उप नियम ४(१) और ४(२) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये :—

४(१) “बौसत परिलक्षणों की गणना के प्रयोजन के लिए :— भवधि के दौरान संशोधित बेतन में लिये गये मूल बौसत बेतन का ५५ प्रतिशत।”

४(२) “उपवान और/या मृत्यु और सेवानिवृत्ति उपवान के प्रयोजन के लिए :— भवधि के दौरान संशोधित बेतनमान में लिये गये मूल बौसत बेतन का ५५ प्रतिशत।”

[प्राधिकार : रेल मन्त्रालय का दिनांक 17-7-1981 का पद सं. ६
(पृष्ठ ए) 2/80/प्रार एस 10]

स्पष्टीकरण

भारतीय रेल स्थान संहिता, जिल्हा २ (पांचवां पुनर्मुद्रण) के नियम 2544 को राष्ट्रपति के प्रत्येकन से जारी १-४-७९ से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से आग्रोहित किया गया है। जालन यस संभिति (1980) की सिफारिशों पर सरकार द्वारा किये गये विनियोजनों के कारण इस अनुदेशों की आवश्यकता हुई थी। इस संशोधन का आवाय प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करता है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रभागित किया जाता है कि इन नियमों के भूलक्षणी प्रभाव से किनीं भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्राकृत प्रभाव नहीं पहेंगा।

G.S.R. 1144(E):—In exercise of the powers conferred by the provisions of Rule 309 of the Constitution, the President

is pleased to amend Rule 2544 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1979.

[No. E(P&A)II/86/RS/15]

K. VENKATESAN,
Director, Establishment (P&A),
Railway Board.

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 407 R.JT

RULE 2544

Sub-rule g(i) and g(ii) may be substituted by the following:

g(i) “For the purpose of calculation of average emoluments: 55% of basic average pay, in the revised scales of pay, drawn during the period;”

g(ii) “For the purpose of gratuity and/or death-cum-retirement gratuity: 55% of basic average pay, in the revised scales of pay, drawn during the period.”

AUTHORITY: [Ministry of Railways' letter No. E(P&A) II-80/RS-10 dated 17-7-1981]

EXPLANATION:

The Rule 2544 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1979. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendations of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee, to whom these rules apply.